



2024 में 7.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था, वर्ल्ड बैंक का अनुमान

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिहाज से एक अच्छी खबर सामने आई है। दरअसल वर्ल्ड बैंक ने अनुमान बताया है कि साल 2024 में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.5 फीसदी की दर से विकास करेगी। वर्ल्ड बैंक के पूर्व के अनुमान की तुलना में यह 1.2 प्रतिशत ज्यादा है। वर्ल्ड बैंक ने ये भी कहा है कि पूरे दक्षिण एशिया के देश भी 6 फीसदी की मजबूत दर से विकास करेंगे।

भारत रहेगा दक्षिण एशिया के विकास का इंजन - वर्ल्ड बैंक ने कहा है कि भारत की

तेज विकास दर और पाकिस्तान और श्रीलंका की अर्थव्यवस्थाओं में आ रहे सुधार की वजह से दक्षिण एशियाई देशों की कुल विकास दर तेज रहेगी। वर्ल्ड बैंक ने दक्षिण एशिया विकास को लेकर ताजा अपडेट जारी किया है, जिसमें उक्त अनुमान बताया गया है।

वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, अगले दो वर्षों में दुनिया में सबसे तेज विकास दक्षिण एशियाई क्षेत्र में ही होगा। साल 2025 में भी दक्षिण एशियाई देशों की कुल विकास दर 6.1 फीसदी रहने का अनुमान है। वर्ल्ड बैंक ने अपनी

रिपोर्ट में कहा कि दक्षिण एशिया की कुल अर्थव्यवस्था में भारत की अर्थव्यवस्था सबसे बड़ी है और भारत की विकास दर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 7.5 फीसदी रह सकती है। मिडटर्म के बाद यह वापस 6.6 फीसदी पर आ सकती है। भारत की विकास दर में सबसे अहम सेवा क्षेत्र और औद्योगिक विकास होंगे। वित्तीय वर्ष 2024-25 में बांग्लादेश की विकास दर 5.7 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि बढ़ती महंगाई और व्यापार और विदेशी मुद्रा विनिमय पर प्रतिबंध के चलते विकास दर

प्रभावित रहेगी।

पाकिस्तान और श्रीलंका की अर्थव्यवस्थाओं में सुधार के संकेत - वित्तीय संकेत से जुड़ा रहे दक्षिण एशिया के एक और देश पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत मिले हैं। वर्ल्ड बैंक के अनुमान के अनुसार, पाकिस्तान की विकास दर वित्तीय वर्ष 2024-25 में 2.3 फीसदी रह सकती है। वहीं श्रीलंका में साल 2025 में विकास दर 2.5 फीसदी रहेगी। श्रीलंका में पर्यटन और विदेशी से आने वाले धन में तेजी आने के संकेत हैं।

न्यूज़ ड्रीफ

भारत में हो सकता है गैलेक्सी एम55 5जी लॉन्च, सैमसंग के दो फोन्स भारत में आने को तैयार



नई दिल्ली। भारत में दक्षिण कोरियाई कंपनी सैमसंग द्वारा गैलेक्सी एम55 5जी को लॉन्च किया जा सकता है। गैलेक्सी एम55 5जी को फाल्गुन मास में लॉन्च किया गया है। प्रोसेसर दिया गया है, तो वहीं गैलेक्सी एम15 5जी ऑक्टो-कोर मीडियाटेक डायमैंसिटी 6100+ प्रोसेसर से लैस है। इस मॉडल को गैलेक्सी एम15 5जी के साथ हाल ही में लॉन्च किया गया था। अब दोनों ही फोन्स भारत में आने को तैयार हैं। बता दें कि भारत में इनकी लॉन्चिंग से पहले फोन्स की कीमतें भी लीक हो गई हैं। अमेजन पर गैलेक्सी एम55 5जी और गैलेक्सी एम15 5जी के लिए जारी बैनर पर ये कफ़रम किया गया है कि इन हैंडसेट्स को भारत में लॉन्च किया जाएगा। फिलहाल ये तो साफ है कि फोन्स को जल्द लॉन्च किया जाएगा। लेकिन, इसके लिए तारीख का ऐलान नहीं किया गया है। एक बैनर से ये कफ़रम किया गया है कि गैलेक्सी एम55 5जी सैमसंग 7 जेन 1 प्रोसेसर के साथ आएगा। वहीं, एक और बैनर में ये बताया गया है कि गैलेक्सी एम15 5जी में एस अमोलेड डिस्प्ले और 6,000 एमएचपी की बैटरी होगी। ये जानकारीया फोन के ग्लोबल वेरिएंट्स की तरह ही हैं। इससे साफ है कि बाकी फीचर्स भी ग्लोबल वेरिएंट्स की ही तरह हो सकती हैं। इस बीच एक्स पर पोस्ट की एक सीरीज में गैलेक्सी एम55 5जी और गैलेक्सी एम15 5जी के भारतीय वेरिएंट की संभावित कीमतें और संभावित रैम और स्टोरेज कॉन्फिगरेशन को लीक कर दिया है। उनका दावा है कि भारत में गैलेक्सी एम55 5जी की कीमत रुपये से शुरू होगी। एक अन्य पोस्ट में, टिप्पटर ने सुझाव दिया है कि गैलेक्सी एम15 5जी भारत में 4जीबी + 128जीबी और 6जीबी + 128जीबी वेरिएंट्स में आएगा और इनकी कीमत क्रमशः 13,499 और 14,999 रुपये रखी जाएगी। टिप्पटर ने उसी पोस्ट में कहा कि फोन का भारतीय वेरिएंट मीडियाटेक डायमैंसिटी 6100+ प्रोसेसर, 6.5-इंच 90 एचडोइड फुल-एचडी+ सुपर अमोलेड डिस्प्ले, 50-मेगापिक्सल ट्रिपल रियर कैमरा यूनिट, 13-मेगापिक्सल सेल्फी कैमरा और 45 वॉट वायर्ड फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ 6,000 एमएचपी की बैटरी जैसे फीचर्स के साथ आ सकता है। वहीं, 8जीबी + 128जीबी वेरिएंट के लिए 26,999 रुपये, जबकि 8जीबी + 256जीबी और 12जीबी + 256जीबी वेरिएंट की कीमत क्रमशः 29,999 रुपये और 32,999 रुपये होने की उम्मीद है।

एप्पल ने डेढ़ लाख लोगों को सीधे रोजगार दिया: मंत्री चंद्रशेखर, देश का सबसे बड़ा ब्लू-कॉलर जॉब क्रिएटर बन गया

नई दिल्ली। साल 2021 में उत्पादन-लिवड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को मंजूरी मिलने के बाद से एप्पल ने 1,50,000 से अधिक लोगों को सीधे रोजगार दिया है, जिससे यह देश का सबसे बड़ा ब्लू-कॉलर जॉब क्रिएटर बन गया है। यह कहना है इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर का। केंद्र सरकार में राज्य मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिवर्तनकारी पीएलआई नीतियों के कारण कुल 4 लाख से अधिक नई नौकरियों के साथ लगभग 3 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आईफोन फेक्ट्रियां जून-सितंबर के बीच 10,000 से अधिक लोगों को सीधे तौर पर नौकरियां देने के लिए तैयार हैं। वित्त वर्ष 24 में आईफोन का उत्पादन फरवरी के एक लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया, जिसमें 70 प्रतिशत निर्यात और कुल बाजार मूल्य 1.6 लाख करोड़ रुपये था। केंद्रीय मंत्री ने बताया, आईओएस ऐप डेवलपमेंट अब 1 मिलियन से अधिक नौकरियों का समर्थन करता है। एप्पल ने अपने 50 मिलियन डॉलर के आपूर्तिकर्ता कर्मचारी विकास कोष के हिस्से के रूप में महिलाओं के स्वास्थ्य पर एक शिक्षा पहल शुरू की है। शीर्ष इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग निकाय इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) ने पिछले महीने कहा था, भारत पिछले 10 वर्षों में 20 लाख करोड़ रुपये के मोबाइल फोन उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त करने के करीब है, जबकि यह चालू वित्त वर्ष में 1.20 लाख करोड़ रुपये के फोन निर्यात को पार कर गया है, जो एक दशक में निर्यात में 7,500 प्रतिशत की भारी वृद्धि है। भारत में एप्पल का राजस्व वित्त वर्ष 2023 में लगभग 50,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, बिक्री 48 प्रतिशत बढ़कर 49,321 करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ 76 प्रतिशत बढ़कर 2,229 करोड़ रुपये हो गया।

स्टार्टअप के फाउंडर्स ने ठठेरा की याद दिलाकर हासिल की ऑल शॉक में बड़ी डील

31.25 करोड़ के वैल्युएशन पर 3.2% इक्विटी के बदले 1 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली।

पीतल, तांबा और कांसे के बर्तन तैयार कर बेचने वाले स्टार्टअप पी-तल को शार्क टैंक इंडिया में बड़ी डील मिली है। वैसे तो कार्यक्रम के दौरान कई शार्क इस स्टार्टअप के उत्पादों को लज्जरी कहते रहे पर आखिरकार सभी ने इसमें निवेश किया। स्टार्टअप के फाउंडर्स ने काफी मोलभाव के बाद 31.25 करोड़ रुपये के वैल्युएशन पर 3.2 फीसदी इक्विटी के बदले 1 करोड़ रुपये का निवेश हासिल कर लिया। पी-टाल का पूरा नाम पंजाब ठठेरा आर्ट लिगेसी है। पी-टाल स्टार्टअप की शुरुआत आदित्य अग्रवाल, कीर्ति गायल और गौरव गर्ग ने 2019 में की। श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली में पढ़ाई के दौरान इसे एक प्रोजेक्ट के रूप शुरू किया गया था।

स्टार्टअप के फाउंडर्स ने बताया ठठेरा का मतलब

कार्यक्रम के दौरान स्टार्टअप के फाउंडर्स ने ठठेरा शब्द का मतलब भी समझाया। ठठेरा एक ऐसी कम्प्यूनिटी है, जो हाथों से बर्तन बनाती है। स्टार्टअप के फाउंडर्स ने कहा कि क्या खाना है, आज सिर्फ इसकी बात होती है, लेकिन किसमें पकाना है, इस पर चर्चा नहीं होती। पुराने जमाने में दादी-नानी कहा करती थीं कि पीतल में पकाओ, कांसे में खाओ और तांबे के बर्तन में पानी पीओ। इनमें बने खाने में 93 फीसदी पोषक तत्व सुरक्षित रहते हैं, जबकि सामान्य बर्तनों में यह आंकड़ा महज 13 फीसदी रह जाता है।

स्टार्टअप ने ठठेरा की कमाई बढ़ाने में दिया योगदान

पी-टाल ने करीब 55 ऐसे ठठेरा



परिवारों की मदद की है, जो पहले 2-3 हजार रुपये हर महीने कमाते थे, लेकिन आज इन परिवारों की आमदनी कम से कम 25 हजार रुपये महीना से लेकर 1 लाख रुपये है। यह परिवार अमुत्तर से करीब 30-35 किलोमीटर दूर एक छोटे से शहर जॉडियाला गुरुद्वारा में रहते हैं।

मुनाफे में है स्टार्टअप, इस साल मोटी बिक्री का अनुमान

2019 में स्टार्टअप की स्थापना के बाद 2019-20 में उसकी सालाना बिक्री महज 21 लाख रुपये थी। वहीं 2020-21 में कंपनी की सेल 85 लाख रुपये हो गई। 2021-22 में कंपनी की सेल 2.76 करोड़ रुपये रही। वहीं 2022-23 में

कंपनी ने 3.98 करोड़ रुपये के उत्पाद बेचे। 2023-24 में स्टार्टअप को 9 करोड़ रुपये की बिक्री होने का अनुमान है।

इस स्टार्टअप का दिल्ली में एक रिटेल ऑउटलेट भी है, बाकी सारा बिजनेस ऑनलाइन ही है। भारत में इस तरह के उत्पादों का बाजार 30-35 हजार करोड़ रुपये का है। फिलहाल यह कंपनी मुनाफे में है।

पिछले साल पी-टाल ने सीड फंडिंग राउंड को सफलतापूर्वक किया था पूरा

हाल ही में पी-टाल ने अपने सीड

फंडिंग राउंड को सफलतापूर्वक पूरा किया था। स्टार्टअप ने अपने सीड फंडिंग राउंड में 4.33 करोड़ रुपये जुटा थे। कंपनी की सीड फंडिंग राउंड का नेतृत्व टाइटेन कैपिटल ने किया था। इसके अलावे इस फंडिंग में अनिकट कैपिटल, ममाअर्थ का गजल अलप, डूरुम और शॉप क्लूज के संदीप अग्रवाल, शिप रॉकेट के विशेष खुराना, विवोई और रीनी कॉन्सल्टिंग के आशुतोष वलानी और पियंका शाह, वीएचडीएम इंडिया के बल सारा, सिराना के दीप और मोहित बजाज, पोसिस्ट के आशीष तुलस्यान, डॉ वैद्या और वी3 वेंचर्स से अर्जुन वैद्या और अन्य से हिस्सा लिया था।

सेबी प्रमुख बोर्ली- विदेशी निवेशकों को भारत में भरोसा, उच्च मूल्यांकन के बाद भी पूंजी बाजार में निवेश

मुंबई।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधवी पुरी बुच ने कहा, भारत के पूंजी बाजार में उच्च मूल्यांकन का कारण विदेशी निवेशकों को देश को लेकर उम्मीद और भरोसा है। खरेलू बाजार में मूल्य और कमाई का अनुपात 22.2 है, जो दुनिया के कई सूचकांकों के औसत से अधिक है। भारतीय उद्योग परिषद के कार्यक्रम में बुच ने कहा, कुछ लोग कहते हैं कि हमारा बाजार प्रतिबन्धित है, जो दुनिया आज भारत में रखती है। सेबी प्रमुख ने कुछ सप्ताह पहले छोटी और मझोली कंपनियों के शेयरों में उच्च मूल्यांकन पर चिंता जताई थी। कहा था, यह एक बुलबुले में तब्दील हो सकता है।

संस्थाओं ने जुटाए 10.5 लाख करोड़

सेबी प्रमुख ने बताया, भारतीय संस्थाओं ने 2023-24 में इक्विटी और बॉन्ड जारी कर बाजार से 10.5 लाख करोड़ जुटाए। इसमें

Securities and Exchange Board



बॉन्ड से आठ लाख करोड़ से अधिक जुटाए गए। बॉन्ड जारी करने पर उन्होंने कहा, यह एक साल में दिए गए कुल बैंक कर्ज के 62 फीसदी से अधिक तक पहुंच गया है।

जीडीपी के बराबर पहुंचा बाजार पूंजीकरण

बुच ने कहा, बाजार में रुचि के कारण शेयर खंड में कुल बाजार पूंजीकरण 2023-24 के अंत में 378 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। एक दशक पहले यह 74 लाख करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा, बाजार स्थान बरकरार रखा और भारत और एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति हैं। उनकी कुल

शाओमी की इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में एंट्री कंपनी की इस इलेक्ट्रिक कार की है भारी डिमांड

नई दिल्ली।

मोबाइल बनाने वाली चाइनीज कंपनी शाओमी की एंट्री ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में हलचल मचा दी है। कंपनी ने हाल ही इलेक्ट्रिक वाहन लॉन्च किया है जिसको जबर्दस्त रिसर्चिंग मिल रहा है। कंपनी वाहन के लॉन्च के केवल 24 घंटों के भीतर अपने नए एसयू 7 मॉडल के लिए 88,898 फर्म ऑर्डर की घोषणा की है। टेस्ट ड्राइव के लिए उत्सुक ग्राहक चीन के 29 शहरों में 59 दुकानों पर पहुंचे, जिससे ये सारा जगह खराब बनी रही। बुकिंग के लिए, ग्राहकों को 5,000 युआन (लगभग 850 यूएसडॉलर) जमा देना है। शाओमी एसयू 7 का प्रोडक्शन राज्य के स्वामित्व वाली वीजिंग ऑटोमोटिव इंडस्ट्री होल्डिंग कंपनी द्वारा किया जा रहा है, जो मॉसिडीज-वेंच में एक



प्रमुख शेयरधारक भी है। वीजिंग में शाओमी की नई प्रोडक्शन फैसिलिटी पिछले साल जून में पूरी हुई थी। इस फैसिलिटी में प्रारंभिक क्षमता वार्षिक तौर पर 150,000 वाहनों की है, इसके दूसरे चरण में यह आंकड़ा दोगुना होने की

उम्मीद है। अभी तक पूरी क्षमता से काम नहीं करने के बावजूद, शाओमी को अप्रैल के अंत तक ग्राहक डिलीवरी शुरू होने की उम्मीद है। शाओमी एसयू 7 को लॉन्च वाली शुरुआती कीमत 215,900 युआन (लगभग 25.34 लाख रुपये) रखी

गई है, ऐसे में ये टेस्ला मॉडल 3 से 30,000 युआन (लगभग 3.46 लाख रुपये) कम होने के साथ एक किफायती विकल्प है।

सबसे पहले, शाओमी के सीईओ लैंग जून का करिश्माई नेतृत्व, जिनके पास मार्केटिंग की क्षमता है और उन्होंने इंडस्ट्री में लीडिंग कंपटीटर्स से ली गई इनसाइट्स भी हैं। दूसरा, ब्रांड की मजबूत प्रतिष्ठा और चीन में व्यापक यूजर बेस एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, कई घर पहले से ही शाओमी के प्रोडक्ट्स के इकोसिस्टम से परिचित हैं। हवाई-स्पेक एसयू 7 में ऑल-व्हील ड्राइव, डुअल मोटर्स और एक पावरफुल 495-केब्ल्यू का बैटरी पैक है जो 663 एचपी का आउटपुट देता है। इसमें 800 किलोमीटर की रेंज ग्राहकों को मिलेगी।

अदाणी मामले में दूसरा एसबीआई ना बने सेबी, जयराम रमेश बोले- तीन महीने में गठित हो जाएगी जेपीसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने उम्मीद जताई कि अदाणी समूह द्वारा शेयरों में कथित हेरफेर के आरोपों की जांच का जिम्मा सभाल रहा सेबी उच्चतम न्यायालय में अपनी रिपोर्ट पेश करने के लिए और समय सीमा आगे बढ़ाने की मांग नहीं करेगा ताकि चुनाव की तारीखें निकल जाएं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि भारतीय प्रतिभूति व विनियम बोर्ड (सेबी) को दूसरा एसबीआई नहीं बनना चाहिए, जिसने सच बताने में आनाकानी की। एक्स पर एक पोस्ट में, रमेश ने कहा कि हिंडनबर्ग रिसर्च ने पिछले साल अदाणी समूह पर स्टॉक हेरफेर और प्रतिभूति कानूनों के उल्लंघन के गंभीर आरोप लगाए थे। अदाणी समूह ने आरोपों को झूठ बताते हुए खारिज कर दिया है और कहा है कि वह सभी कानूनों और प्रकटीकरण आवश्यकताओं का अनुपालन करता है। रमेश ने कहा, सेबी को 14 अगस्त, 2023 तक इन आरोपों पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का काम सौंपा गया था। बार-बार एक्सटेंशन की मांग करने के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने सेबी को आज, 3 अप्रैल, 2024 तक का समय दिया। उन्होंने पोस्ट में कहा, हम सेबी की ओर से आज अदालत में अपनी रिपोर्ट सौंपने की उम्मीद करते हैं, और हमें उम्मीद है कि यह चुनाव की तारीख से आगे बढ़ने के लिए एक और विस्तार की मांग नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा, सेबी को एक और एसबीआई नहीं बनना चाहिए, और सच कहने से नहीं डरना चाहिए। रमेश ने यह भी कहा, सेबी की जांच सीमित है- केवल एक जेपीसी ही घोटाले को उजागर कर सकती है, जैसा कि फरवरी-अप्रैल 2023 के बीच हम अदानी के हैं कोन (एसएचएचएच) घोटाले को उजागर कर सकते हैं। उन्होंने कहा, सिर्फ 3 महीने और और जेपीसी एक वास्तविकता बन जाएगी। सात चरणों में होने वाले लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से शुरू होंगे। कांग्रेस ने अदाणी मुद्दे पर सरकार से कई सवाल पूछे हैं, रमेश ने आरोप लगाया है कि कि यह एक घोटाला है, उसका जवाब मांगा जा रहा है।

